महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में अज्ञेय जयंती सम्पन्न

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ0 आर के टण्डन के संयोजन एवं अध्यक्षता में दिनांक 07 मार्च 2022 को अज्ञेय जयंती का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में डॉ0 आर के टण्डन ने प्रयोगवाद के जनक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी का संक्षिप्त जीवन परिचय बताते हुए 1943 में संपादित तार सप्तक तथा उनके उपन्यास 'शेखर : एक जीवनी' पर प्रकाश डाला। प्रो0 जे आर कुर्रे ने विभिन्न वादों जैसे छायावाद, प्रगतिवाद से प्रयोगवाद की तुलनात्मक रचनाधर्मिता पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए उनकी रचना 'कलगी बाजरे की', 'हरी घास पर क्षण भर' आदि पर विचार व्यक्त किए। प्रो0 दिनेश संजय के द्वारा 'पागल कुत्ते की मौत' जैसी रचना पर उनके भाव को प्रकट करते हुए उनकी कुछ प्रसिद्ध कविताओं के बारे में विचार व्यक्त किए गए। रोचक शैली में मंच संचालन का कार्य डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने संपादित किया।

बावरा अहेरी, अरी ओ करुणा प्रभामय, आँगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ, हरी घास पर क्षण भर, शेखर एक जीवनी, नदी के द्वीप, अरे यायावर रहेगा याद, एक बूँद सहसा उछली जैसे महत्त्वपूर्ण रचनाओं के प्रणेता एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित अज्ञेय जी के जीवन, कार्यक्षेत्र एवं प्रमुख कृतियों के बारे में एम ए हिन्दी तथा बी ए अंतिम के छात्रों ने उनकी जयंती के माध्यम से विस्तार से जाना। उनकी कई कविताओं का अध्ययन एम ए चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी के छात्र करते हैं। पाठ्यक्रम में समाहित होने के कारण यह जयंती छात्रों के लिए काफी लाभप्रद रही। जयंती में मनीषा डनसेना, प्रियंका पटेल, दुर्गा पटेल, मुकेश, कौशिल्या गबेल, रेशमा चौहान, नमिता पटेल, दिव्या डनसेना, रूख्मणी राठिया, छाया डनसेना, अर्चना राठौर सहित अनेक छात्रों की उपस्थिति रही।

GPS Map
Camera Lite
X4G9+M8P, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India
Latitude
21.9771165°
Longitude
83.1181886°
Local 01:17:30 PM
GMT 07:47:30 AM
Altitude 0 meters
Monday, 07-03-2022

X4G9+M8P, Mishra Colony, Kharsia, Chhattisgarh 496661, India

दैनिक
दबंग दुनिया

महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में अज्ञेय जयंती सम्पन्न

दबंग रिपोर्टर »
खरसिया

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. आर के टण्डन के संयोजन एवं अध्यक्षता में दिनांक 07 मार्च 2022 को अज्ञेय जयंती का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. आर के टण्डन ने प्रयोगवाद के जनक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी का संक्षिप्त जीवन परिचय बताते हुए 1943 में संपादित तार सप्तक तथा उनके उपन्यास शेखरः एक जीवनी पर प्रकाश डाला। प्रो. जे आर कुर्रे ने विभिन्न वादों जैसे छायावाद, प्रगतिवाद से प्रयोगवाद की तुलनात्मक रचनाधर्मिता पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए उनकी रचना कलगी बाजरे की हरीघास पर क्षण भर आदि पर विचार व्यक्त किए। प्रो. दिनेश संजय के द्वारा ह्यपागल कुत्ते की मौत जैसी रचना पर उनके भाव को प्रकट करते हुए उनकी कुछ प्रसिद्ध कविताओं के बारे में विचार व्यक्त किए गए। रोचक शैली में मंच संचालन का कार्य डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने संपादित किया। बावरा अहेरी, अरी ओ करुणा प्रभामय, आँगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ, हरी घास पर क्षण भर, शेखर एक जीवनी, नदी के द्वीप, अरे यायावर रहेगा याद, एक बूँद सहसा उछली जैसे महत्वपूर्ण रचनाओं के प्रणेता एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित अज्ञेय जी के जीवन, कार्यक्षेत्र एवं प्रमुख कृतियों के बारे में एम ए हिन्दी तथा बी ए अंतिम के छात्रों ने उनकी जयंती के माध्यम से विस्तार से जाना। उनकी कई कविताओं का अध्ययन एम ए चतुर्थ सेमेस्टर हिन्दी के छात्र करते हैं। पाठ्यक्रम में समाहित होने के कारण यह जयंती छात्रों के लिए काफी लाभप्रद रही। जयंती में मनीषा डनसेना, प्रियंका पटेल, दुर्गा पटेल, मुकेश, कौशिल्या गबेल, रेशमा चैहान, नमिता पटेल, दिव्या डनसेना, रूखमणी राठिया, छाया डनसेना, अर्चना राठौर सहित अनेक छात्रों की उपस्थिति रही।

महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में अज्ञेय जयंती सम्पन्न

खरसिया। शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में विभागाध्यक्ष डॉ. आर के टण्डन के संयोजन एवं अध्यक्षता में दिनांक 07 मार्च 2022 को अज्ञेय जयंती का आयोजन किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. आर के टण्डन ने प्रयोगवाद के जनक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय जी का संक्षिप्त जीवन परिचय बताते हुए 1943 में संपादित तार सप्तक तथा उनके उपन्यास शेखर- एक जीवनी' पर प्रकाश डाला। प्रो. जे आर कुर्रे ने विभिन्न वादों जैसे छायावाद, प्रगतिवाद से प्रयोगवाद की तुलनात्मक रचनाधर्मिता पर छात्रों को सम्बोधित करते हुए उनकी रचना कलगी बाजरे की हरीघास पर क्षण भर आदि पर विचार व्यक्त किए। प्रो. दिनेश संजय के द्वारा 'पागल कुत्ते की मौत जैसी रचना पर उनके भाव को प्रकट करते हुए उनकी कुछ प्रसिद्ध कविताओं के बारे में विचार व्यक्त किए गए। रोचक शैली में मंच संचालन का कार्य डॉ. आकांक्षा मिश्रा ने संपादित किया। जयंती में मनीषा डनसेना, प्रियंका पटेल, दुर्गा पटेल, मुकेश, कौशिल्या गबेल, रेशमा चैहान, नमिता पटेल, दिव्या डनसेना, रूखमणी राठिया, छाया डनसेना, अर्चना राठौर सहित अनेक छात्रों की उपस्थिति रही।